चाय बना रही थी मां, 7 फीट गहरी हौज में डूब गया 3 साल का मासूम

- खेलते-खेलते घर से बाहर निकला बच्चा, अस्पताल पहुंचने से पहले ही थम गई सांसें
- तीन बहनों का इकलौता भाई था मासूम गणेश

नव भारत न्यूज

इंदौर. मंगलवार शाम शहर के मनोरमागंज इलाके में एक ऐसा हादसा हुआ, जिसने पूरे मोहल्ले को गमगीन कर दिया. मायके में रह रही एक मां की आंखों के सामने उसकी दुनिया उजड़ गई. दरअसल खेलते-खेलते घर से बाहर निकले तीन साल के मासूम की पानी की हौज में डूबने से मौत हो गई.

घटना पलासिया थाना क्षेत्र की है, थाना प्रभारी सुरेन्द्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि मृतक की पहचान तीन वर्षीय गणेश पिता सुनील भील के रूप में हुई है. गणेश अपनी मां मनीषा के साथ नाना-नानी के घर रह रहा था. मंगलवार शाम उसकी मां घर के अंदर चाय बना रही थी, इसी दौरान मासूम बाहर चला गया. कुछ देर बाद जब वह नजर नहीं आया तो परिजन उसे ढूंढते हुए बाहर निकले. तलाश के दौरान घर के बाहर बनी करीब सात फीट गहरी पानी की हौज में गणेश डूबा हुआ मिला. आनन-फानन में परिजन उसे बाहर निकालकर अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

> सूचना पर पलासिया पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू की. परिजनों ने बताया कि मकान में बनी पानी की हौज पर कोई ढक्कन नहीं था और वह अक्सर खुली रहती थी. घटना के समय नाना-नानी चौकीदारी के काम से मालिक के बंगले पर गए हुए थे. मामा अपनी नौकरी पर था, जबकि मामी घर के एक कमरे में मौजूद थी. परिजनों का कहना है कि गणेश तीन बहनों का इकलौता भाई था. मनीषा की शादी बुरहानपुर में हुई थी, लेकिन पारिवारिक विवाद के चलते वह करीब डेढ़ साल से मायके में रह रही है. बेटे की मौत के बाद मां का रो रोकर बुरा हाल है, वहीं मोहल्ले में मातम पसरा हुआ है.

फिल्म पुष्पा की तर्ज पर डोडा चूरा की तस्करी करने वाला एक आरोपी गिरफ्तार

- फाल्स डीजल टैंक और केबिन में छिपाकर ला रहा था 87 किलो डोडा चूरा
- जब्त ट्रक और डोडा चूरा की कीमत 35 लाख आंकी गई

नव भारत न्यूज

इंदौर. फिल्म 'पुष्पा' में जिस तरह से लाल चंदन की तस्करी के लिए ट्रक में गुप्त केबिन और तेल के टैंकों का इस्तेमाल दिखाया गया था, ठीक उसी तर्ज पर पंजाब का एक तस्कर इंदौर पुलिस के हत्थे चढ़ा है. तेजाजी नगर पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए एक ऐसे अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है, जो ट्रक के नीचे बने नकली डीजल टैंक में प्रतिबंधित डोडा चूरा छिपाकर ले जा रहा था. शातिर तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 87 किलोग्राम डोडा चूरा बरामद किया है.

पुलिस ने डोडा चूरा के साथ ट्रक भी जब्त कर लिया है. जब्त ट्रक और मादक पदार्थ की कीमत करीब 35 लाख रुपए बताई जा रही है.

तेजाजी नगर थाना प्रभारी देवेन्द्र मरकाम ने बताया कि यह कार्रवाई आऊटर कॉलोनी, एबी रोड बायपास क्षेत्र में चेकिंग के दौरान की गई. यादव ढाबे के पास सर्विस रोड पर एक ट्रक संदिग्ध अवस्था में खड़ा था. जब पुलिस ट्रक के पास पहुंची तो ट्रक चालक पुलिस को देखकर घबरा गया और वाहन स्टार्ट कर भागने की कोशिश करने लगा, जिस पर टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया. पूछताछ में उसने अपना नाम बुट्टा सिंह पिता चुहर सिंह उम्र 50 निवासी जालंधर, पंजाब बताया. ट्रक की तलाशी लेने पर केबिन के ऊपर बने बॉक्स, टूल बॉक्स और फाल्स डीजल टैंक के खाली हिस्से से अलग-अलग थैलियों में डोडा चूरा बरामद हुआ.

फिल्म देखकर अपनाया तस्करी का यह तरीका

आरोपी ने पूछताछ में कबूल किया कि वह पंजाब से ट्रक लेकर आता था, आगर मालवा से डोडा चूरा भरता और इंदौर से ट्रांसपोर्ट का माल लेकर वापस पंजाब चला जाता था. उसने यह तरीका फिल्मों से देखकर अपनाने की बात भी स्वीकार की है. आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी पंजाब में एनडीपीएस एक्ट का मामला दर्ज है. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस तस्करी नेटवर्क में और कौन कौन शामिल है और नशे की खेप कहां सप्लाई की जानी थी.

युवक ने एसिड पीया, नाबालिग ने लगाई फांसी

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में दो अलग-अलग इलाकों से आत्महत्या की दर्दनाक घटनाएं सामने आई, जिनमें एक 20 वर्षीय युवक और एक 15 वर्षीय नाबालिग ने अपनी जान दे दी. दोनों ही मामलों में परिजनों ने मानसिक कमजोरी और लंबे समय से चल रही परेशानियों को वजह बताया है.

पहली घटना शांति नगर, मूसाखेड़ी क्षेत्र की है, यहां रहने वाले 20 वर्षीय अमन पिता राजू ने तिलक नगर स्थित एक खाली मैदान में एसिड पीकर आत्महत्या कर ली. परिजनों के मुताबिक अमन मानसिक रूप से कमजोर था और उसे लंबे समय से नींद न आने की समस्या थी. उसकी हालत को लेकर परिवार पहले से परेशान था. अचानक अमन घर से निकला और कुछ समय बाद उसकी हालत बिगड़ने की सूचना मिली. उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में मानसिक स्थिति को ही आत्महत्या का कारण माना जा रहा है.

दूसरी घटना स्कीम 78 क्षेत्र की है, जहां 15 वर्षीय नाबालिग प्रिंस पिता दिनेश ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. परिजनों ने पुलिस को बताया कि प्रिंस भी मानसिक रूप से अस्वस्थ था. वह रात के समय अक्सर डर जाता था और अजीब-अजीब बातें करता था. उसकी हालत में सुधार के लिए परिवार ने तंत्र मंत्र तक करवाया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ.

बिगड़े रईसजादों की पार्टियों का ड्रग्स सप्लायर निकला जिम ट्रेनर

- लायन नाम से चलाता था कोकीन का अवैध कारोबार
- 10 ग्राम कोकीन, बिना नंबर स्कूटर और आईफोन जब्त

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में नशे के नेटवर्क पर शिकंजा कसते हुए क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है. एमपी टूरिज्म के पास 12 पत्थर आम रोड क्षेत्र से कोकीन तस्करी करते एक युवक को गिरफ्तार किया है. आरोपी खुद को लायन नाम से पहचान दिलाकर कोकीन का अवैध कारोबार चला रहा था. उसके कब्जे से अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब दो लाख रुपए कीमत की 10 ग्राम कोकीन जब्त की है.

डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अशद शेख खजराना थाना क्षेत्र का रहने वाला है. वह पेशे से जिम ट्रेनर है और 12वीं तक पढ़ा-लिखा है. बीती रात क्राइम ब्रांच की टीम संदिग्धों की तलाशी कर रही थी. इसी दौरान एमपी टूरिज्म के पास अंधेरे में बिना नंबर प्लेट की सफेद स्कूटर के साथ खड़े एक युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगीं. पुलिस को देखते ही वह घबरा गया, जिस पर टीम ने घेराबंदी कर उसे रोका. नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम अशद शेख बताया.

तलाशी लेने पर मिला 10 ग्राम कोकीन

टीम ने जब आरोपी युवक की तलाशी ली तो उसके पास से 10 ग्राम अवैध मादक पदार्थ कोकीन बरामद हुआ. मौके से बिना नंबर प्लेट की सफेद स्कूटर और एक आईफोन मोबाइल भी जब्त किया. प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वह अधिक मुनाफा कमाने के लिए सस्ते में मादक पदार्थ खरीदकर इंदौर शहर में कोकीन बेचता था. आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है. क्राइम ब्रांच अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी को कोकीन की सप्लाई कहां से होती थी और शहर में उसका नेटवर्क कितना फैला हुआ है.

तेज रफ्तार कार ने ऑटो को मारी टक्कर, चालक घायल

इंदौर. गांधीनगर थाना क्षेत्र में लापरवाही से वाहन चलाने का मामला सामने आया है. नया बसेरा हनुमान मंदिर के पास एक कार चालक ने तेज गति और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए एक ऑटो रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो पलट गया और चालक उसके नीचे दब गया. हादसे में ऑटो चालक को सिर, कमर और दोनों पैरों में चोटें आईं. पुलिस ने कार चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है.

एक नजर में
श्री एकेडमी इंडिया टॉप कूल अवॉर्ड 2026 से सम्मानित

महू. इंदौर में मैरियट होटल में एल्ड्रोक इंडिया के-12 समिट का आयोजन किया गया. इसमें देश-विदेश के विख्यात शैक्षणिक विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया. आयोजन गुरदीप अग्रवाल की टीम एल्ड्रोक इंडिया द्वारा आयोजित किया गया. सभी विषय विशेषज्ञों ने जेन जी, जेन अल्फा, क्रिटिकल क्रिएटिव थिंकिंग, एजुकेशन पेडागोजी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी, आनंद की पेरेंटिंग ट्रेनिंग का आयोजन हुआ. इसमें मध्यप्रदेश के सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों को आमंत्रित किया गया था, जिसमें भोपाल, जबलपुर, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, सिवनी, इंदौर, बड़वानी, आलीराजपुर से स्कूल डायरेक्टर और प्रिंसिपल शामिल हुए. श्री एकेडमी को स्टेम एजुकेशन प्रोग्राम के तहत स्पोर्ट्स अचीवमेंट्स, क्रिएटिव साइंस एक्टिविटी, बेस्ट एकेडमिक्स, एक्सीलेंस इन कल्चरल डेवलपमेंट के लिए इंडिया टॉप स्कूल अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया. यह अवॉर्ड श्री एकेडमी के डायरेक्टर डॉ. राजेश कुमार पाटीदार एवं प्राचार्या डॉ. हेमलता पाटीदार को एल्ड्रोक इंडिया के डायरेक्टर गुरदीप अग्रवाल द्वारा प्रदान किया गया. श्री एकेडमी की इस उपलब्धि पर सभी वरिष्ठ ग्रामीणजन एवं सभी सहयोगी संस्थाओं ने बधाई प्रेषित की एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना प्रेषित कीं.

भेरूघाट पर कपड़े के झोले में मिली नवजात

महू. मानपुर थाना क्षेत्र में भेरुघाट स्थित हनुमान मंदिर के पास एक नवजात बच्ची लावारिस हालत में मिली है. अज्ञात आरोपी बच्ची को कपड़े के झोले में छोड़ गए. मंदिर गई एक महिला मायाबाई ने मंदिर के पीछे से बच्ची के रोने की आवाज सुनीं, उसने वहां जाकर देखा तो झोले में बच्ची रो रही थी. उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी. इस पर पुलिस मौके पर पहुंची और नवजात का सीएचसी मानपुर में मेडिकल परीक्षण कराकर मातृ छाया, विजयनगर भेज दिया, जहां उसकी देखभाल की जा रही है. पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. मानपुर पुलिस ने नवजात शिशु और उसके परिजनों के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी मिलने पर संपर्क करने की अपील की है.

भागीरथपुरा के मृतकों को कैंडल जलाकर दी श्रद्धांजलि

महू. इंदौर के भागीरथपुरा में विगत 15 दिनों में 20 से अधिक मौतें जहरीले पानी से हो गईं. इस पर कांग्रेस नेताओं ने कोतवाली चौराहे पर मृत आत्माओं को कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर प्रमुख रूप से कार्यक्रम संयोजक सचिन गुप्ता, महू ग्रामीण अध्यक्ष विष्णु मालवीय, बोर्ड के पूर्व उपाध्याय कपिल सोलंकी, विजेंद्र चौहान, किशन गोयल, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष गजेंद्र राठौर, विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष ओम पटेल, देवेंद्र अग्रवाल, अजय धनावत, प्रदेश सचिव मुस्तकीम कुरैशी, अरुण गुर्जर, साकिर खान, जिला महासचिव रवि सिंगारे, नावेद खान, नवनीत वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष सनी राजपूत, ब्लॉक अध्यक्ष जयदीप चौहान, दिगपाल तोमर, इरशाद कुरैशी, विनोद भार्गव, अमित वर्मा, मिलिंद शिम्पी, गोविंद कौशल, मन्नालाल वर्मा, पिंटू डीडवानिया, शुभम जैन सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे.

'डील' मामले में चार्जशीट दाखिल

- सरकारी वकील और कोर्ट मुहर्रिर पर रिश्वत मांगने का आरोप

नव भारत न्यूज

इंदौर. हत्या के एक प्रकरण में आरोपी को राहत दिलाने और बरी कराने के नाम पर रिश्वत मांगने के मामले में लोकायुक्त पुलिस इंदौर की कार्रवाई अब कोर्ट तक पहुंच गई है. प्रकरण में शासकीय अभिभाषक और कोर्ट मुहर्रिर की भूमिका सामने आने के बाद लोकायुक्त ने विशेष न्यायालय में अभियोग पत्र पेश कर दिया है.

लोकायुक्त अधिकारी सुनिल तालान ने बताया कि आरोपी शासकीय अभिभाषक दिग्विजय सिंह राठौड़, जो अपर सत्र न्यायालय सरदारपुर जिला धार में पदस्थ थे, और प्रधान आरक्षक जयसिंह डामोर, जो न्यायालय सरदारपुर में कोर्ट मुहर्रिर है, के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी. शिकायतकर्ता रालू डावर निवासी ग्राम भाटी खोदरा, थाना अमझेरा जिला धार है, जिसके विरुद्ध हत्या का मामला न्यायालय में विचाराधीन है. शिकायत में आरोप लगाया गया था कि केस में मदद करने और आरोपी को बरी कराने के एवज में 50 हजार की रिश्वत की मांग की गई.

इस संबंध में शिकायतकर्ता ने पुलिस अधीक्षक, लोकायुक्त कार्यालय इंदौर में आवेदन दिया था. शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए गए. जांच में यह तथ्य सामने आया कि शासकीय अभिभाषक दिग्विजय सिंह राठौड़ ने रिश्वत की राशि में से 10 हजार प्रधान आरक्षक जयसिंह डामोर के माध्यम से लेने की व्यवस्था करवाई. इसके बाद लोकायुक्त पुलिस इंदौर ने 3 मार्च 2020 को जाल बिछाकर आरोपी प्रधान आरक्षक जयसिंह डामोर को 10 हजार की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था. मामले की विस्तृत जांच पूरी होने के बाद लोकायुक्त पुलिस द्वारा तैयार अभियोग पत्र विशेष न्यायालय भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम धार में प्रस्तुत कर दिया, अब इस मामले में विशेष न्यायालय में आगे की सुनवाई की जाएगी.

जमानत दिलाने के लिए दिए फर्जी दस्तावेज

इंदौर. छोटी ग्वालटोली थाना क्षेत्र में न्यायालय में जमानत से जुड़े मामलों में फर्जीवाड़े और धोखाधड़ी का गंभीर मामला दर्ज किया है. आरोप है कि एक व्यक्ति ने विभिन्न आपराधिक प्रकरणों में आरोपियों को जमानत दिलाने के लिए कूटरचित दस्तावेज तैयार कर अदालत में प्रस्तुत किए. पुलिस के अनुसार आरोपी ने बाणगंगा और सेंट्रल कोतवाली थानों के अलग-अलग प्रकरणों में अदालत के समक्ष फर्जी प्रतिभूति प्रस्तुत की. कूटरचित दस्तावेजों के जरिए न्यायालय को गुमराह कर आरोपियों को जमानत का लाभ दिलाया. शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और फर्जी दस्तावेज उपयोग करने की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

क्राइम ब्रांच ने फरार ब्राउन शुगर सप्लायर को दबोचा

- पहले पकड़े गए एक आरोपी से पूछताछ के बाद की कार्रवाई
- अन्य जिलों से मादक पदार्थ लाकर इंदौर में खपा रहा था आरोपी

नव भारत न्यूज

इंदौर. अवैध मादक पदार्थ के कारोबार पर लगातार प्रहार करते हुए क्राइम ब्रांच ने एक और फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. ब्राउन शुगर तस्करी के इस मामले में पहले पकड़े गए आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने उस व्यक्ति को दबोचा, जो अन्य जिलों से ब्राउन शुगर लाकर इंदौर में सप्लाई कर रहा था.

डीसीपी क्राईम राजेश त्रिपाठी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का नाम बिलाल खान है, जो कोहिनूर कॉलोनी इंदौर का रहने वाला है. आरोपी दिहाड़ी मजदूरी पर रिपेयरिंग सहित अन्य छोटे-मोटे काम करता है. पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ पहले भी शहर में एक अपराध दर्ज है. इससे पहले आरोपी दानिश शेख को गिरफ्तार किया था. उसके कब्जे से 10.15 ग्राम अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर बरामद की गई थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 1 लाख 10 हजार रुपए बताई गई.

पूछताछ के दौरान दानिश से मिले इनपुट और मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस को उसके सप्लायर की जानकारी मिली, जो घटना के बाद से फरार चल रहा था. क्राइम ब्रांच टीम ने आरोपी की पहचान कर उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी और अंततः बिलाल खान को गिरफ्तार कर लिया. प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि वह ब्राउन शुगर अन्य जिलों से खरीदकर इंदौर शहर में सप्लायरों को उपलब्ध कराता था. आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस अब उससे पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है और नशे की सप्लाई किन इलाकों तक फैली हुई थी.

ब्राउन शुगर के दो अन्य मामलों में दो गिरफ्तार

इंदौर. शहर में मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में ब्राउन शुगर के दो मामलों में दो युवकों को गिरफ्तार किया है. सदर बाजार थाना क्षेत्र में किला मैदान स्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पास पुलिस ने एक युवक को ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा. आरोपी के पास मादक पदार्थ पाए जाने पर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा के तहत प्रकरण दर्ज किया है. इसी तरह एरोड्रम थाना क्षेत्र में एयरपोर्ट रोड स्थित चिल चौराहा के पास पुलिस ने एक अन्य युवक को गिरफ्तार किया. आरोपी के कब्जे से 4.80 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई, जिसकी कीमत करीब 48 हजार रुपये बताई जा रही है. पुलिस ने मौके से एक हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी जब्त की है. दोनों मामलों में पुलिस आगे की जांच कर रही है.

एक नजर में लंबे समय से की जा रही है दूषित पानी की आपूर्ति, नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ किया जा रहा खिलवाड़

भागीरथपुरा और इंदौर शहर ही नहीं, पूरे प्रदेश में है दूषित पानी की समस्या

इंदौर. भगीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी पीने से अब तक करीब 20 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई मरीज विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं. दूषित पानी से बीमारी फैलने की यह घटना किसी एक वार्ड तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे इंदौर शहर के साथ ही प्रदेशभर में है. साथ ही यह गंभीर समस्य वर्षों से चली आ रही है.

भगीरथपुरा की घटना ने नगर निगम की जल आपूर्ति व्यवस्था की पोल खोल दी है. स्थानीय लोगों का आरोप है कि शहर में लंबे समय से दूषित पानी की आपूर्ति की जा रही है, जिससे नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हुआ है. सवाल यह भी उठ रहा है कि अब तक नगर निगम कितने लाख गैलन दूषित पानी शहरवासियों को पिला चुका है. चिंताजनक तथ्य यह है कि पिछले करीब 15 वर्षों में पेट दर्द, डायरिया और जलजनित बीमारियों से कई मौतें हो चुकी हैं, जिनका सीधा संबंध दूषित पेयजल से हो सकता है, लेकिन इन मामलों की गंभीर जांच कभी नहीं हुई. भागीरथपुरा की घटना के बाद नागरिकों में आक्रोश है और लोग दोषियों पर कार्रवाई तथा स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं. स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यदि जल आपूर्ति व्यवस्था में तत्काल सुधार नहीं किया गया तो स्थिति और भयावह हो सकती है.

यह बोले नागरिक...

जिन अधिकारियों को निलंबित किया गया है, वह तो कुछ समय पूर्व ही आए थे. इस घटना के जिम्मेदार तो समय-समय के महापौर, क्षेत्र के पार्षद और वार्ड मंत्री होते हैं. भ्रष्टाचार करते हुए पूरे इंदौर में घटिया क्वालिटी के पाइप डाले गए हैं. जो हर कहीं से लीकेज हो रहे हैं.

- राहुल निहोरे, समाजसेवी

स्वच्छता अभियान में पेच वर्क लगाकर हमने देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा तो हासिल कर लिया, लेकिन आम जनता जो बस्तियों और चालों में रहती हैं, उनके लिए कोई सुविधाएं नहीं जुटाईं. सीवरेज, पेयजल सुविधा सही कीजिए.

- संजीव वैध, सिविल सेवा मार्गदर्शक

बैग भरकर पैसे देकर बाहर से यहां पोस्टिंग कराकर आए अधिकारियों ने निगम को चारागाह समझ रखा है. ठेकेदार बनकर भ्रष्टाचार करते हैं, हमने लिखित में दिया है. स्थानीय शिक्षित एवं अनुभवी अधिकारियों का प्रमोशन किया जाए.

- महेश गौहर, कर्मचारी नेता, नगर निगम, इन्दौर